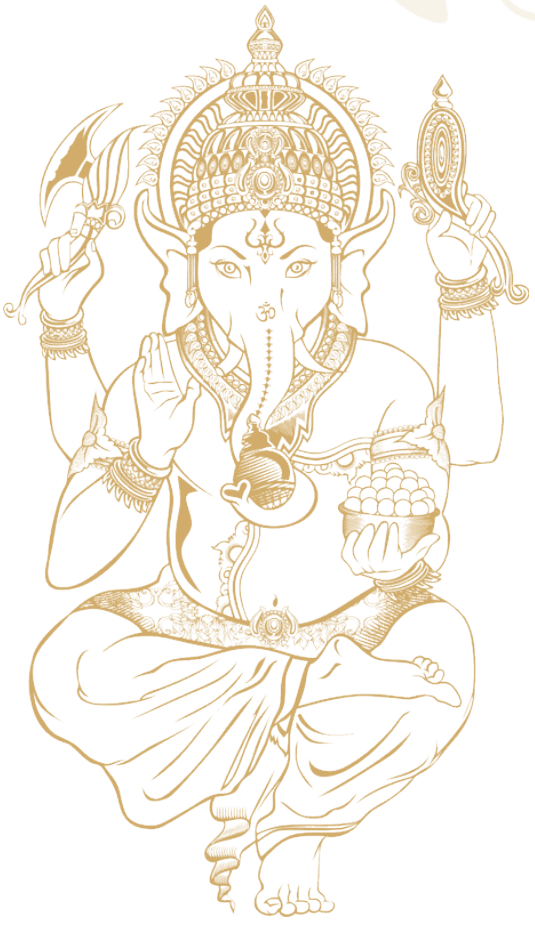

Mr. Shriyank

Ms. Shruti vyas

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119556103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1995	जन्म तिथि	18/03/1996
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 17:17:00	जन्म समय	20:38:00 घंटे
घटी 27:49:40	जन्म समय(घटी)	35:59:10 घटी
India	देश	India
Katni	स्थान	Jaipur
23:47:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
80:29:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:04	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:07	सूर्योदय	06:33:03
18:20:20	सूर्यास्त	18:36:45
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:21

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 12वर्ष 10मा 24दि	25:53:37	सिंह	लग्न	तुला	02:13:13	गुरु 11वर्ष 6मा 2दि
मंगल	09:34:42	मीन	सूर्य	मीन	04:29:57	शनि
16/02/2024	18:03:57	धनु	चंद्र	कुंभ	23:44:42	20/09/2007
16/02/2031	19:22:20	कर्क व	मंगल	मीन	01:30:23	20/09/2026
मंगल 15/07/2024	20:53:53	कुंभ	बुध	कुंभ	25:23:31	शनि 23/09/2010
राहु 02/08/2025	21:29:21	वृश्चि	गुरु	धनु	20:34:56	बुध 02/06/2013
गुरु 09/07/2026	01:45:16	कुंभ	शुक्र	मेष	19:53:47	केतु 12/07/2014
शनि 18/08/2027	23:27:44	कुंभ	शनि	मीन	03:46:16	शुक्र 10/09/2017
बुध 14/08/2028	12:16:05	तुला व	राहु व	कन्या	23:21:01	सूर्य 23/08/2018
केतु 10/01/2029	12:16:05	मेष व	केतु व	मीन	23:21:01	चन्द्र 24/03/2020
शुक्र 12/03/2030	05:57:40	मक	हर्ष	मक	09:43:20	मंगल 02/05/2021
सूर्य 18/07/2030	01:25:58	मक	नेप	मक	03:28:25	राहु 08/03/2024
चन्द्र 16/02/2031	06:41:39	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	09:15:48	गुरु 20/09/2026

लग्न-चलित

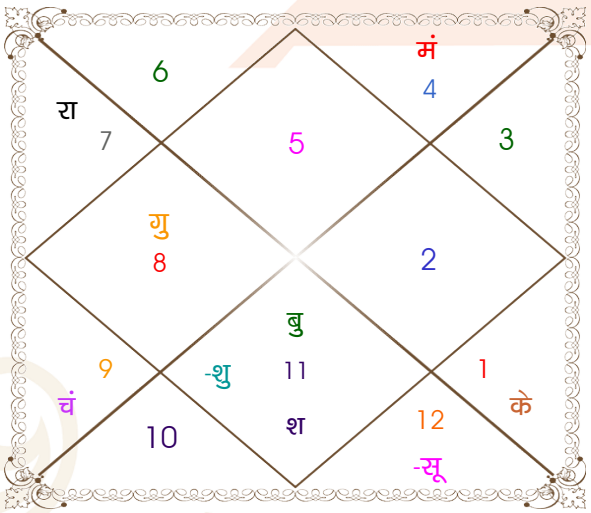

लग्न-चलित

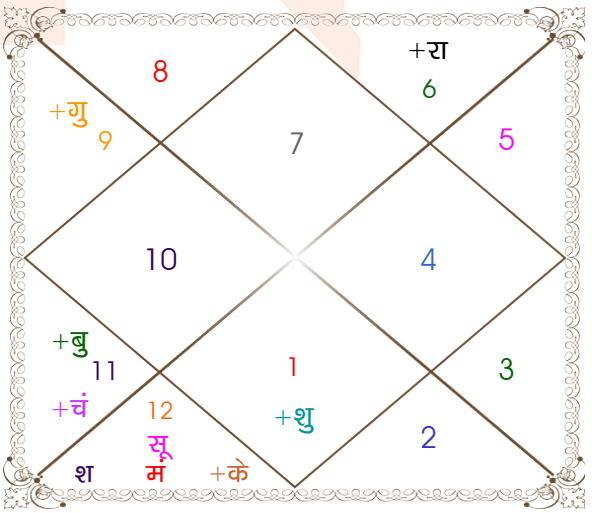

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Mr. Shriyank का वर्ग सर्प है तथा डेण्ौतनजप अलें का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Shriyank और डेण्ौतनजप अलें का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Shriyank मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. Shriyank कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. Shriyank कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्ौतनजप अलें मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डेण्ौतनजप अलें कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण्ौतनजप अलें कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Shriyank तथा डेण्ौतनजप अलें में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।